

5 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Tansen was the only child of his parents.

Naughty but talented, he imitated the calls of birds and animals perfectly.

- Once he tried to frighten a group of travellers by roaring like a tiger.

तानसेन अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे

शरारती लेकिन प्रतिभाशाली, वह पक्षियों और जानवरों की सटीक नकल करते थे।

- एक बार उन्होंने एक बाघ की तरह दहाड़ कर यात्रियों के एक समूह को डराने की कोशिश की।

YOU may have heard the name of Tansen — the greatest musician our country has produced.

आपने तानसेन का नाम सुना होगा—हमारे देश के सबसे बड़े संगीतकार।

A singer called Mukandan Misra and his wife lived in Behat near Gwalior. Tansen was their only child. It is said that he was a naughty child. Often, he ran away to play in the forest, and soon learnt to imitate perfectly the calls of birds and animals.

मुकंदन मिश्रा नामक गायक और उनकी पत्नी ग्वालियर के पास बेहत में रहते थे। तानसेन उनकी इकलौती संतान थे। यह कहा जाता है कि वह एक शरारती बच्चा था। अक्सर, वह खेलने के लिए जंगल में भाग जाते थे, और जल्द ही पक्षियों और जानवरों की सटीक नकल करना सीख गए।

A famous singer named Swami Haridas was once travelling through the forest with his.

स्वामी हरिदास नाम के एक प्रसिद्ध गायक एक बार अपने शिष्यों के साथ जंगल से यात्रा कर रहे थे। थक कर, वह समूह एक छायादार पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठ गया। तानसेन ने उन्हें देखा।

'Strangers in the forest!' he said to himself. 'It will be fun to frighten them'. He hid behind a tree and roared like a tiger. The little group of travellers scattered in fear but Swami Haridas called them together. "Don't be afraid," he said. "Tigers are not always dangerous. Let us look for this one."

उसने खुद से कहा, 'जंगल में अजनबी!' को डराने में मजा आएगा। वह एक पेड़ के पीछे छिप गया और बाघ की तरह दहाड़ने लगा। यात्रियों का छोटा समूह डर में बिखर गया लेकिन स्वामी हरिदास ने उन्हें एक साथ बुलाया। उन्होंने कहा, 'डरो मत।' बाघ हमेशा खतरनाक नहीं होते हैं। चलो हम इसकी तलाश करते हैं।

5 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Suddenly, one of his men saw a small boy hiding behind a tree. "There are no tigers here, master," he said. "Only this naughty boy."

अचानक, उसके आदमियों में से एक ने एक पेड़ के पीछे एक छोटे लड़के को छुपा देखा। उन्होंने कहा, 'गुरु जी, यहां कोई बाघ नहीं हैं। 'केवल यह शरारती लड़का है।'

Tansen learnt music from Swami Haridas for eleven years.

He stayed with a holy man called Mohammad Ghaus.

He married Hussaini, one of the ladies in the court of Rani Mrignaini.

तानसेन ने ग्यारह साल तक स्वामी हरिदास से संगीत सीखा।

वह मोहम्मद गौस नामक पवित्र व्यक्ति के साथ रहे।

उन्होंने हुसैनी से शादी की, जो रानी मृगनयनी के दरबार में महिलाओं में से एक थी।

Swami Haridas did not punish him. He went to Tansen's father and said, "Your son is very naughty. He is also very talented. I think I can make him a good singer."

स्वामी हरिदास ने उन्हें सजा नहीं दी। वह तानसेन के पिता जी के पास गया और कहा, 'तुम्हारा बेटा बहुत शरारती है। वह बहुत प्रतिभाशाली भी है। मुझे लगता है कि मैं उसे एक अच्छा गायक बना सकता हूँ।'

Tansen was ten years old when he went away with Swami Haridas. He lived with him for eleven years, learning music, and became a great singer. At about this time, his parents died. Mukandan Misra's dying wish was that Tansen should visit Mohammad Ghaus of Gwalior. Mohammad Ghaus was a holy man. Mukandan Misra had long been devoted to him, and often visited him. While living in Gwalior with Mohammed Ghaus, Tansen was often taken to the court of Rani Mrignaini, who was a great musician herself. There he met and married one of the ladies of the court. Her name was Hussaini.

तानसेन दस साल के थे जब वह स्वामी हरिदास के साथ चले गए। वह ग्यारह साल तक उनके साथ रहे, संगीत सीखा, और एक महान गायक बन गया। लगभग इसी समय के दौरान, उसके माता पिता की मृत्यु हो गई। मुकंदन मिश्रा की अंतिम इच्छा थी कि तानसेन को मोहम्मद गौस से मिलने ग्वालियर जाना चाहिए। मोहम्मद गौस एक पवित्र व्यक्ति था। मुकंदन मिश्रा लंबे समय से उनके प्रति समर्पित थे, और अक्सर उससे मिलने जाते थे। मोहम्मद गौस के साथ ग्वालियर में रहते हुए, तानसेन को अक्सर रानी मृगनयनी के दरबार में ले जाया जाता था, जो खुद एक महान संगीतकार थी। वहां वह दरबार की महिलाओं में से एक से मिले और उससे शादी की। उसका नाम हुसैनी था।

5 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Hussaini also became Swami Haridas's disciple. Tansen and Hussaini had five children who were all very musical.

हुसैनी भी स्वामी हरिदास की शिष्या बन गई। तानसेन और हुसैनी के पांच बच्चे थे जो सभी बहुत संगीतमय थे।

Tansen had, by this time, become very famous. Sometimes he sang before Emperor Akbar, who was so impressed by him that he insisted Tansen should join his court.

इस समय तक तानसेन बहुत प्रसिद्ध हो गए थे। कभी कभी उन्होंने सम्राट अकबर के सामने गाया, जो उससे इतने प्रभावित थे कि उन्होंने जोर देकर कहा कि तानसेन को उनके दरबार में शामिल हो जाना चाहिए।

Tansen became a favourite in Akbar's court.

Once he was asked to sing Raga Deepak.

अकबर के दरबार में तानसेन उनके पसंदीदा बन गए।

एक बार उसे राग दीपक गाने के लिए कहा गया।

Tansen asked his daughter and her friend to sing Raga Megh after Raga Deepak to counteract the effect of the latter.

तानसेन ने अपनी बेटी और उसके दोस्त से कहा कि वे राग दीपक के प्रभाव का प्रतिकार करने के लिए राग दीपक के बाद राग मेघ गाएं।

Tansen went to Akbar's court in 1556, and soon became a great favourite of the Emperor. Akbar would call upon Tansen to sing at any time during the day or night. Quite often he would just walk into Tansen's house to hear him practise. He also gave him many presents. Some of the courtiers became jealous of Tansen. "We shall never be able to rest till Tansen is ruined," they declared. One of the courtiers, Shaukat Mian, had a bright idea.

तानसेन 1556 में अकबर के दरबार में गए और जल्द ही सम्राट के बहुत पसंदीदा बन गए। अकबर दिन हो या रात के समय किसी भी समय तानसेन को गाने के लिए बुला लेते थे। अक्सर वह सिर्फ तानसेन को अभ्यास करते सुनने के लिए उसके घर चले जाते थे। उन्होंने उसे कई तोहफे भी दिए। कुछ दरबारियों को तानसेन से जलन होने लगी। उन्होंने घोषणा की, 'हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक तानसेन बर्बाद नहीं हो जाता। उनमें से एक दरबारी शौकत मियां के पास एक बढ़िया विचार था।

"Let us make him sing Raga Deepak", he said.

उन्होंने कहा, 'चलो हम उसे राग दीपक गाने के लिए कहते हैं।

5 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

"How will that help us?" asked another man.

दूसरे आदमी ने पूछा 'यह हमारी कैसे मदद करेगा?'

"If Raga Deepak is properly sung, it makes the air so hot that the singer is burnt to ashes. Tansen is a very good singer. If he sings Raga Deepak, he will die, and we will be rid of him."

'अगर राग दीपक को ठीक से गाया जाता है, तो यह हवा को इतनी गर्म बना देता है कि गायक जल कर राख बन जाता है। तानसेन बहुत अच्छा गायक है। अगर वह राग दीपक गाता है तो वह मर जाएगा, और हम उससे छुटकारा पा लेंगे।'

Shaukat Mian went to Akbar and said, "We don't think Tansen is a great singer. Let us test him. Tell him to sing Raga Deepak. Only the greatest singers can sing it properly."

शौकत मियां ने अकबर के पास जाकर कहा, 'हमें नहीं लगता कि तानसेन एक महान गायक है। हमें उसकी परीक्षा लेनी चाहिए। उसे राग दीपक गाने के लिए कहिए। केवल महानतम गायक ही इसे ठीक से गा सकते हैं।'

"Of course he can sing it. Tansen can sing anything". Akbar said. Tansen was afraid, but could not disobey the king. "Very well, my lord," he said, "but give me time to prepare myself." Tansen went home. He had never been more downcast and unhappy. "I can sing the Raga," he told his wife, "but the heat it gives off will not only set the lamps alight, it will also burn me to ashes."

अकबर ने कहा, 'बेशक वह इसे गा सकते हैं। तानसेन कुछ भी गा सकते हैं।' तानसेन डर गए, लेकिन राजा की अवज्ञा नहीं कर सके। उन्होंने कहा, 'बहुत अच्छी तरह से, महाराज,' 'लेकिन अपने आप को तैयार करने के लिए मुझे समय दें।' तानसेन घर चला गया। वह कभी भी इतना ज्यादा हताश और दुखी नहीं थे। उन्होंने पत्नी से कहा, 'मैं राग गा सकता हूँ,' 'लेकिन इससे निकलने वाली गर्मी न केवल दीयों को जलाएगी, यह मुझे भी जला कर राख कर देगी।'

Then he had an idea. "If someone sings Raga Megh at the same time, and sings it properly, it will bring rain. Perhaps our daughter, Saraswati, and her friend, Rupvati, could do it," he said.

तब उसे एक विचार आया। 'अगर कोई व्यक्ति उसी समय पर राग मेघ गाता है, और उसे ठीक से गाता है, इससे बारिश होगी। उन्होंने कहा, शायद हमारी बेटी सरस्वती और उसकी सहेली रूपवती यह कर सकती हैं।'

6 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

He taught the two girls to sing Raga Megh. They practised night and day for two weeks. Tansen told them, "You must wait till the lamps start burning, and then you start singing."

उन्होंने दोनों लड़कियों को राग मेघ गाना सिखाया। उन्होंने दो सप्ताह तक रात और दिन अभ्यास किया। तानसेन ने उनसे कहा, तुम्हें दीपक जलना शुरू होने तक प्रतीक्षा करनी होगी, और फिर तुम गाना शुरू करना।

Both Ragas were sung according to plan.

Akbar punished Tansen's enemies.

Tansen died in 1585.

दोनों रागों को योजना के अनुसार गाया गया।

अकबर ने तानसेन के दुश्मनों को दंडित किया।

तानसेन की 1585 में मृत्यु हो गई।

The legend goes that on the appointed day the whole town assembled to hear Tansen sing Raga Deepak. When he began to sing, the air became warm. Soon people in the audience were bathed in perspiration. The leaves on the trees dried up and fell to the ground. As the music continued, birds fell dead because of the heat and the water in the rivers began to boil. People cried out in terror as flames shot up out of nowhere and lighted the lamps.

किंवदंती है कि नियत दिन पर तानसेन को राग दीपक गाते सुनने के लिए पूरा शहर इकट्ठा हुआ। जब वह गाने लगे तो हवा गर्म हो गई। जल्द ही दर्शकों में लोग पसीने से नहाने लगे। पेड़ों पर लगी पत्तियां सूख कर जमीन पर गिर गई। संगीत के जारी रहते हुए गर्मी के कारण पक्षी मर गए और नदियों में पानी ऊनने लगा। लोग डर के कारण चिल्लाने लगे जब कहीं से लौ जलती हुई आई और दीयों को प्रज्ज्वलित कर दिया।

At once Saraswati and Rupvati began to sing Raga Megh. The sky clouded over and the rain came down. Tansen was saved. The story goes that he was very ill after this, and Akbar was sorry that he had caused him so much suffering. He punished Tansen's enemies. When Tansen got well, the entire city rejoiced. Tansen remained Akbar's court singer till 1585 when he died. He composed several new ragas.

उसी समय सरस्वती और रूपवती ने राग मेघ गाना शुरू किया। आसमान में बादल छा गए और बारिश होने लगी। तानसेन बच गए। कहानी यह है कि वह इस के बाद बहुत बीमार हो गए, और अकबर को इस बात का दुख था कि उन्होंने उन्हें इतना दुख पहुंचाया था। उन्होंने तानसेन के दुश्मनों को सजा दी। जब तानसेन ठीक हो गए तो पूरा शहर आनंदित हुआ। तानसेन 1585 तक अकबर के दरबार गायक बने रहे जब उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कई नए रागों की रचना की।

6 Tansen

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Tansen's tomb is in Gwalior. It is a place of pilgrimage for musicians.

तानसेन का मकबरा ग्वालियर में है। यह संगीतकारों के लिए तीर्थयात्रा का स्थान है।

